May 2022

(6)

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No...............

B

Sr. No. of Question Paper : 798

Unique Paper Code : 12131201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Core, LOCF**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

P.T.O.

भाग – क / Part – A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(क) उद्दामदर्पश्वयथुस्थगितश्रवणविवराश्चोपदिश्यमानमपि ते न शृण्वन्ति, शृण्वन्तोऽपि च गजनिमीलितेनावधीरयन्तः खेदयन्ति हितोपदेशदायिनो गुरून् ।

(ख) गुरुवचनममलमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य । इतरस्य तु करिण इव शङ्खाभरणमाननशोभासमुदयमधिकतरम् उपजनयति ।

(ग) हरति च सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरूपदेशः । प्रशमहेतुर्वयः परिणामिव पलितरूपेण शिरसिज-जालममलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेव परिणमयति ।

(घ) इयं हि सुभटखड्गमण्डलोत्पलवनविभ्रमभ्रमरी लक्ष्मीः क्षीरसागरात्पारि-जातपल्लवेभ्यो रागम् इन्दुशकलादेकान्तवक्रताम् उच्चैः श्रवसश्चंचलतां कालकूटान्मोहशक्तिं मदिरायाः मदं कौस्तुभमणेर्नैष्ठुर्यम् इत्येतानि सहवासपरिचयवशात् विरहविनोदचिह्नानि गृहीत्वैवोद्गता । न ह्येवंविधमपरिचितमिह जगति किंचिदस्ति यथेयमनार्या । लब्धापि खलु दुःखेन परिपाल्यते ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (5×2=10)

Explain with reference to the context of any **two** of the following :

(क) लतेव विटपकानध्यारोहति । गंगेव वसुजनन्यपि तरङ्गबुद्बुदचञ्चला ।

(ख) गन्धर्वनगरलेखा इव पश्यत एव नश्यति ।

(ग) कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्

(घ) सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरूपदेशः

3. "बाणी बाणो बभूव" इस उक्ति के आधर पर बाणभट्ट की गद्यशैली पर विस्तृत निबन्ध लिखिए । (10)

Write a detail essay on prose style of Banabhatta on the basis of **"बाणी बाणो बभूव"** ।

(अथवा) Or

शुकनासोपदेश के आधार पर गुरु के उपदेश का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए ।

Explain the importance of teachings of Guru according to *shuknasopdesha*.

भाग – ख / Part – B

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(क) देव! मयापि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्नक्लेशार्हः क्वचित्कूपाभ्याशे अष्टवर्षदेशीय दृष्टः। स च त्रासगद्गदमागत् महाभाग, क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य सहाय्यकम्। अस्य मे प्राणहारिणीं <u>पिपासां</u> प्रतिकर्तुमुदकमुदञ्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममैकशरणभूतः <u>पतितः</u>।

(ख) चित्तज्ञानानुवर्तिनोऽनर्थ्या अपि प्रियाः स्युः। दक्षिणा अपि तदभावबहिष्कृता द्वेष्या भवेयुः इति। तथापि का गतिः। अविनीतोऽपि न <u>परित्याज्यः</u> पितृपैतामहैरस्मादृशैरस्यमधिपतिः। अपरित्यजन्तोऽपि कमुपकार-मशृण्वमाणवचः सर्वथा नयज्ञस्य वसन्तभानोरश्मकेन्द्रस्य हस्ते राज्यमिदं पतितम्।

(ग) येष्पुविशन्ति एव<u>मिन्द्रियाणि</u> जेतव्यानि एवमरिषड्वर्गस्त्याज्यः सामादिरुपायवर्गः स्वेषु परेषु चाजस्रं प्रयोज्य। सन्धिविग्रहचिन्तयैव नेयः कालः स्वल्पोऽपि सुखस्यावकाशो न देयः।

(घ) आगमदीपदृष्टेन खल्वध्वना सुखेन वर्तते लोकयात्रा। दिव्यं हि चक्षुर्भूतभवद्भविष्यत्सु व्यवहितविप्रकृष्टादिषु च <u>विषयेषु</u> शास्त्रं नामाप्रतिहतवृत्तिः। तेन हीनः सतोरप्यायतविशालयोर्लोचनयोरन्धः एव जन्तुरर्थदर्शनेष्वसामर्थ्यात्। अतो <u>विहाय</u> बाह्यविद्यास्वभिषङ्गमागमय दण्डनीतिं कुलविद्याम्।

5. "दण्डिनः पदलालित्यम्" उक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए महाकवि दण्डि की काव्यशैली पर निबन्ध लिखें। (11)

Discuss the meaning of "दण्डिनः पदलालित्यम्" and write an essay on poetic style of Dandin.

(अथवा) Or

विश्रुतचरितम् के अनुसार राजाओं की दिनचर्या का वर्णन कीजिए।

Explain the day by day activities of kings according to *Visrutcharitam*.

6. प्रश्न संख्या 1,2,4 के किन्हीं पांच रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिए। (5)

Write Grammatical notes in any **five** underlined words in given 1, 2, and 4.

भाग – ग / Part – C

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये : (3×3=9)

Write short notes on any **three** of the following :

बाणभट्ट, दण्डी, अम्बिकादत्त व्यास, कथा, आख्यायिका

(अथवा) **Or**

संस्कृत गद्य साहित्य की उत्पत्ति और विकास का विवेचन कीजिए।

Describe the origin and development of Sanskrit prose literature.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिये : (5×2=10)

Write notes on any **two** of the following :

शुकसप्तति, पंचतन्त्र, हितोपदेश, वेतालपञ्चविंशतिका

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1066 **B**

Unique Paper Code : 12135910

Name of the Paper : Individual, Family and Community in Indian Social Thought

Name of the Course : **B.A. (H), GE, LOCF**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer any **five** Questions.
4. **All** questions carry equal marks. (15×5=75)

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

4. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. गीता में वर्णित कर्ममार्ग की प्रासंगिकता का विस्तार से विवेचन कीजिये।

Describe the relevance of Karma mārga according the Geeta.

2. मनुष्य के जीवन में भौतिक तथा आध्यात्मिक उद्देश्यों की प्राप्ति के साधन के रूप में पुरुषार्थ-चतुष्टय की उपादेयता का प्रतिपादन कीजिये।

Describe the usefulness of four-Puruṣārtha as a means of achieving physical and spiritual goals in human life.

3. वाल्मीकि रामायण में वर्णित सीता-निर्वासन की घटना पर विभिन्न मतों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

Critically analyze various opinions on the Sita-banishment incident described in the Vālmīki Rāmāyaṇa.

4. मनुष्यों में परस्पर सहृदयता एवं सामंजस्य स्थापित करने में सांमनस्य सूक्त के विचारों की वर्तमान समय में उपयोगिता को प्रतिपादित कीजिए।

In the social system, to establish mutual tenderheartedness and harmony among humans, in what way are the thoughts of *Sāmmanasyam Sūkta* relevant today?

5. संस्कृत साहित्य में मानव व प्रकृति के प्रगाढ़ सम्बन्ध का चित्रण मिलता है। कालिदास के विशेष संदर्भ में इस कथन का विवेचन कीजिये।

In Sanskrit literature, there is a depiction of the close relationship between human and nature. Discuss this statement with special reference to Kālidāsa.

6. विवादों के समाधान व सामाजिक व्यवस्था के सुचारु ढंग से संचालन हेतु धर्मशास्त्रों में वर्णित नियमों का संविद् व्यतिक्रम व समय अनपकर्म के संदर्भ में उल्लेख करें।

For the resolution of disputes and the smooth functioning of the social system, the rules mentioned in the *Dharmaśāstra* should be mentioned in the context of *samvidvyatikrama* and *samaya-anapakarma*.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लघु निबन्ध लिखिए :

Write short essay on any **two** of the following :

(क) पञ्चमहायज्ञ

Panchmahayajhna

(ख) इष्टापूर्त

Estapurta

(ग) पुरुषार्थ चतुष्टय

Purushartha chatushtaya

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 817 **B**

Unique Paper Code : 12131202

Name of the Paper : Self-Management in Gita

Name of the Course : **B.A. (Hon.) CORE, LOCF**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×7=35)

Explain the following :

(क) श्रोत्रं चक्षुः स्पर्शनं च रसनं घ्राणमेव च।
अधिष्ठाय मनश्चायं विषयानुपसेवते ॥

अथवा

इन्द्रियाणि पराण्याहुरिन्द्रियेभ्यः परं मनः।
मनसस्तु परा बुद्धिर्यो बुद्धेः परतस्तु सः ॥

(ख) तत्र सत्त्वं निर्मलत्वात्प्रकाशकमनामयम्।
सुखसङ्गेन बध्नाति ज्ञानसङ्गेन चानघ ॥

अथवा

सत्त्वं सुखे सञ्जयति रजः कर्मणि भारत।
ज्ञानमावृत्य तु तमः प्रमादे सञ्जयत्युत ॥

(ग) यततो ह्यपि कौन्तेय पुरुषस्य विपश्चितः।
इन्द्रियाणि प्रमाथीनि हरन्ति प्रसभं मनः ॥

अथवा

इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते।
तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि ॥

(घ) असंशयं महाबाहो मनो दुर्निग्रहं चलम्।
अभ्यासेन तु कौन्तेय वैराग्येण च गृह्यते ॥

अथवा

नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः।
शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्धयेदकर्मणः ॥

(ङ) सक्ताः कर्मण्यविद्वांसो यथा कुर्वन्ति भारत।
कुर्याद्विद्वांस्तथासक्तश्चिकीर्षुर्लोकसङ्ग्रहम् ॥

अथवा

कार्पण्यदोषोपहतस्वभावः
पृच्छामि त्वां धर्मसम्मूढचेताः।
यच्छ्रेयः स्यान्निश्चितं ब्रूहि तन्मे
शिष्यस्तेऽहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम् ॥

2. भगवद्गीता के अनुसार आत्म-प्रबन्धन के स्वरूप पर एक लेख लिखिए। (11)

Write an essay on the nature of self-management according to Bhagavad Gita.

OR / अथवा

इन्द्रिय, मन, बुद्धि और आत्मा का श्रेष्ठता का क्रम उदाहरण सहित समझाइए।

Describe the hierarchy of *Indriya, Mana, Buddhi* and *Atman* with examples.

3. सात्त्विक, राजसिक एवं तामसिक आहार की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (11)

Describe the characteristics of *Sattvika, Rajsika* and *Tamsika* diet.

OR / अथवा

भगवद्गीता के अनुसार हम एक सन्तुलित जीवन किस प्रकार जी सकते हैं?

How can we live a balanced life according to Bhagavad Gita?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : (3×6=18)

(i) ध्यान लगाने की प्रक्रिया (Procedure of Meditation)

(ii) त्रिविध बुद्धि (Threefold Intellect)

(iii) भक्तियोग (Devotion Yoga)

(iv) मानसिक द्वन्द्व (Mental Conflict)

(v) समत्व बुद्धि (Equanimity Yoga)

MAY 2022

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3472 A

Unique Paper Code : 12131402

Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Core, LOCF**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. **सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

1. निम्नलिखित में से किन्हीं 4 का अनुवाद कीजिए:- 4x5=20

Translate any Four of the Following:-

क. वेदार्थ-शास्त्रार्थविशुद्धसत्त्वा नित्यं नृलोकानुजिघृक्षवश्च।
भूमीतलस्योद्धरणाय यस्यां महावराहन्त्यपरेऽपि सन्तः॥

ख. सर्वेजनाः सन्ततिरीश्वरस्य चिच्छक्तिरस्मास्वपि भात्यपूर्वा।
निर्माय उच्चावचतां समाजे जनैः सवर्णैस्तु बहिष्कृताः स्मः॥

ग. स्वयं न्यायपीठे प्रभुत्वं गृहीत्वा।
परस्वे स्वतां निर्णयन्तः क एते॥
परेषां कृते वारुणीं वर्जयन्तः।
सुराभाजनं शोषयन्तः क एते॥

घ. इयं वात्सल्यभूमिर्दिव्यभूमिर्वा भवेत् कामम्।
अभिष्वंगा अनङ्गस्य प्रतीहाराः क्व यातास्ते॥

ङ. नौकामिह सारं सारम्
गन्तास्मि कदाचित्पारम्
उत्तीर्णः स्यामपि मन्ये
पारावारमपारम्॥

च. हन्त भोः। गृहसारिकाः समुपेत्य कुण्ठितकण्ठं शुक आनीतः? यदि नाम मत्कन्यकाः प्रारम्भादेव मद्वात्सल्यलालिता अभविष्यन् अवश्यमेवासां सद्गुणविकासोऽभविष्यत्। मां नृशंसं दृष्ट्वैव गवयकिशोर्य इवेमा इतस्ततः पलायाञ्चक्रुः। नाहमासां पिता भवितुमर्हामि।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं 3 की व्याख्या कीजिए: 3x8=24

Explain any Three of the Following:-

क. त्वमहमूर्तेर्यजमानमूर्तिस्त्वं विश्वमूर्तिस्त्वमु विश्वनाथः।
रे शान्तिगंगाधरा मानवात्मत्रघोर एव त्वमसिप्रकृत्या॥

ख. मद्यं हि सर्वस्व-हरं नराणां कुटुम्ब-नाशोऽपि च निश्चितोऽस्ति।
निपीय मद्यं गृहमागतेभ्यः कदापि नान्नं परिवेषणीयम्॥

ग. सज्जनमैत्री सन्ततं स्नेहभरं पुष्णाति।
क्रमशोवृद्धिमुपागता दोषानपि मुष्णाति॥
दोषानपिमुष्णाति निर्गुणे गुणमाधत्ते।
विवेद निर्वाण्य मनसि सम्मोदं दत्ते॥
सत्कार्यमूलाहृवर्धिनी जडतावैरी।
स्नेहसारविश्रम्भसनाता सज्जनमैत्री॥

घ. स्नानगृहं गत्वा
गृहक्लेशाक्रान्ता वधूः
निःशब्दं रोदिति
तदा
स्नानगृहं तस्याः पितृगृहं भवति॥

3. 'स्वातन्त्र्यसम्भवम्' महाकाव्य में वर्णित मानवीय-दर्शन का विवेचन कीजिए। 10

Discuss the Human philosophy as described in '*Swatantryasambhavam*' Epic.

अथवा / Or

शतपर्विका कथा में अभिव्यक्त पुत्री-शिक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Write the importance of 'Girls Education' as expressed in the story of Shat

4. 'संकल्पगीतिः' काव्य की समीक्षा कीजिए। 10

Give a review of either 'संकल्पगीतिः'.

अथवा / Or

पण्डित बच्चूलाल अवस्थी की कविताओं में वर्णित युगबोध का विश्लेषण कीजिए।
Analyze the contemporary knowledge as depicted in the poems of Pt. Bachchulal Awasthi.

5. प्रश्न संख्या 1 और 2 में रेखांकित किन्हीं 4 पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 4x1=4
Write grammatical notes on any four underline words in Question no. 1 and 2.

6. **कतमा कविता** का सामाजिक सन्देश संस्कृत भाषा में लिखिए। 7
Write the social massage of the **कतमा कविता** in Sanskrit language.

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3115 **A**

Unique Paper Code : 12133902

Name of the Paper : Reading Skills in Brāhmi Scripts

Name of the Course : **LOCF, BA (H), Sanskrit, SEC**

Semester : IV

Duration : 3 Hours | Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे | पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper. Visually impaired students may attempt the question no. **3-4 'A'** in lieu of question no. **3** and **4**.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए। दृष्टिबाधित छात्र कृपया **तीन** एवं **चार** प्रश्न संख्या के स्थान पर प्रश्न संख्या 3 – 4 'A' का उत्तर लिखें।

भाग – अ /Part-A

1. मौर्यकालीन लिपि के विकास पर प्रकाश डालिए। (15)

Throw light on the development of Mauryan script.

अथवा / OR

ब्राह्मी लिपि में आए परिवर्तनों के कारण स्पष्ट कीजिए।

Explain the changes occurred in the Brahmi script.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (6×3=18)

Write short note on any **three** of the following :

डी.सी. सरकार, राजबली पाण्डेय, ब्यूलर, कर्निंघम, जेम्स प्रिंसेप

भाग – ब /Part-B

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** का अनुलेखन देवनागरी में कीजिए : (9)

Give transliteration of any **one** of the following into Devanagari.

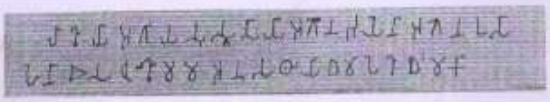

अथवा / OR

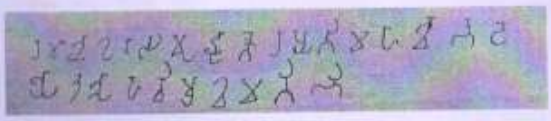

3-A किन्हीं **चार** वर्णों को ब्राह्मी लिपि में लिखें। (4)

Write any **four** of the following alphabets in Brahmi script.

च, अ, ए, त, ज, व, ख, ग, द, न ।

4-A किन्हीं **चार** वर्णों को गुप्तकालीन ब्राह्मी लिपि में लिखें। (5)

Write any four of the following alphabets in Brahmi script of the time of gupta period.

म, प, च, छ, ज, द, ठ, न, य, ड ।

भाग – ग /Part-C

5. प्राचीन भारतीय लिपियों की उत्पत्ति एवं प्रकारों का विवेचन कीजिए। (15)

Describe the origin and kinds of ancient Indian scripts.

अथवा / OR

गुप्तकाल तक विकसित होने वाली ब्राह्मी लिपि के विविध प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

Throw light on the various types of Brahmi script developing upto Gupta period.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (6×3=18)

Write short note on any **three** of the following :

(i) ब्राह्मी लिपि

(Brahmi Script)

(ii) शारदा लिपि

(Sharda Script)

(iii) नागरी लिपि

(Nagari Script)

(iv) तमिल लिपि

(Tamil Script)

(v) कुटिल सम्वत

(Kutil Script)

(vi) कलिंग सम्वत

(Kalinga Script)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3509 **A**

Unique Paper Code : 12131403

Name of the Paper : Sanskrit and World Literature

Name of the Course : **BA Hons. Sanskrit Core, LOCF**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **any 5** questions.
3. Each question carries equal marks. (15×5=75)
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1 What similarities did European scholars find between Vedic and western mythologies?

यूरोप से आये विद्वानों ने वैदिक व पाश्चात्य देवशास्त्र में क्या क्या समानताएँ देखीं ?

P.T.O.

2 Write an essay on the contribution of the Panchatantra to world literature.

विश्व साहित्य को पञ्चतन्त्र की देन पर निबन्ध लिखिये।

3 Discuss the relation between the *Upanishads* and Sufism in the context of Dara Shikoh's translation of the Upanishads

दारा शिकोह के उपनिषदों के अनुवाद के परिप्रेक्ष्य में उपनिषदों व सूफीवाद के संबंध की विवेचना कीजिये।

4 Describe how the *Ramayana* and the *Mahabharata* have influenced life and culture in South East Asian countries?

रामायण व महाभारत ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के जीवन व संस्कृति को कैसे प्रभावित किया ?

5 The *Abhijnanashakunatlam* was received with great enthusiasm in the 19th century Europe. Discuss.

१९वीं शती में यूरोप ने अभिज्ञानशाकुन्तलम् का स्वागत बहुत उत्साह से किया। विवेचन कीजिये।

6 How did Sanskrit literature influence medieval painting styles in India? Discuss with special reference to the *Ramayana* and the *Gitagovinda*.

संस्कृत साहित्य ने भारत की मध्यकालीन चित्रकला शैलियों को कैसे प्रभावित किया- रामायण व गीतगोविन्द के विशेष सन्दर्भ में निरूपण कीजिये।

7 How has the philosophy of the Gita influenced some leading philosophers and poets of Europe?

गीता के दर्शन ने यूरोप के कुछ अग्रणी चिंतकों व कवियों को कैसे प्रभावित किया है?

8 i. Write an essay on Sanskrit studies in the US. 9

अमरीका में संस्कृत अध्ययन के विषय में निबन्ध लिखिये।

ii. Give **three** equivalents from Indo European languages of any **two** of the following words 6

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के **तीन** भारोपीय भाषाओं के समानान्तर शब्द लिखिये - अग्नि, श्रु, अक्षि, दुहितां, वृक

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3022 **A**

Unique Paper Code : 12131601

Name of the Paper : Indian Ontology and Epistemology

Name of the Course : **B.A. (H), Core, LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

भाग – क / Section – A

1. 'दर्शन' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए भारतीय दर्शन के सामान्य वर्गीकरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए। (6)

Define the term 'Darsana' and give a brief description of general classification of the Indian philosophy.

अथवा / OR

एकतत्त्ववादी अद्वैत-वेदान्त दर्शन का वर्णन कीजिए।

Describe the monotheistic philosophy of Advaita Vedānta.

2. कार्यकारणवाद विषयक सांख्यमत का विवेचन कीजिए। (6)

Discuss the Sankhya doctrine of cause and effect.

अथवा / OR

स्वभाववाद एवं परिणामवाद के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

Describe the doctrines of Svabhāvavāda and Pariṇāmavāda.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4.5 + 4.5)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) धर्म-धर्मी (Property and Property-Bearer)

(ii) प्रत्ययवाद (Idealism)

(iii) आरम्भवाद (Doctrine of non-pre-existence)

भाग – ख / Section – B

4. पदार्थ के स्वरूप को बताते हुए 'अभाव' पदार्थ के स्वरूप का वर्णन कीजिए। (7)

Describe the Characteristics of Padārtha (category), and discuss the nature of the Category of 'Abhāva').

अथवा / OR

द्रव्य के स्वरूप को परिभाषित करते हुए आत्मा एवं मनस् द्रव्य का विवेचन कीजिए।

Define Substance anddescribe the Substances of ātmā and manas.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (6+6)

Explain any **two** of the following :

(i) उष्णस्पर्शवत्तेजः ।

(ii) नित्यसम्बन्धः समवायः ।

(iii) नित्यमेकमनेकाऽनुगतं सामान्यम् ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (4+4)

Comment on any **two** of the following :

(i) कर्मभेद (Types of actions)

(ii) पृथिवी (Earth)

(iii) कार्य-करण (Cause and Effect)

(iv) उपमान प्रमाण (Comparison)

भाग – ग / Section – C

7. 'सर्वव्यवहारहेतुर्गुणो बुद्धिर्ज्ञानम्' कथन के आधार बुद्धि के स्वरूप का वर्णन विशद कीजिए । (7)

Discuss in details the Concept of 'Buddhi' on the basis of the statement 'सर्वव्यवहारहेतुर्गुणो बुद्धिर्ज्ञानम्'.

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के आधार पर प्रमा की परिभाषा देते हुए प्रमा के प्रकार बताइये ।

Define Pramā and discuss its types on the basis of the text of Tarka Sangraha.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (6+6)

Explain any **two** of the following :

(i) आप्तवाक्यं शब्दः ।

(ii) कारणं त्रिविधम् - समवाय्यसमवायिनिमित्तभेदात् ।

(iii) सव्यभिचारविरुद्धसत्प्रतिपक्षाऽसिद्धबाधिताः पञ्च हेत्वाभासाः ।

(iv) अनुमितिकरणमनुमानम् ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (4+4)

Write notes on any two of the following :

(i) षड्विधसन्निकर्ष

(ii) अन्वयव्यतिरेकी लिङ्ग

(iii) व्याप्ति

(iv) पञ्चावयववाक्य

5

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3488 **A**

Unique Paper Code : 12131602

Name of the Paper : Sanskrit Composition and Communication

Name of the Course : **B.A. (H), Core, LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

भाग-'क'

(Part -A)

1. चतुर्थी विभक्ति सम्बधी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 4

Explain the rules of **चतुर्थी** विभक्ति with examples.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए:

Explain any two of the following sutras:

ध्रुवमपायेऽपादानम्, आधारोऽधिकरणम्, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, स्वतन्त्रः कर्ता,

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों में सूत्र निर्देशपूर्वक विभक्ति का कारण बताइए: 4

Explain the reason of the case ending in any **four** sentences:

i. त्वं पठितुं विद्यालयं गच्छसि।
ii. सः विद्यालयं परितः परिभ्रमति।
iii. रामः रावणाद् अलम् अस्ति।
iv. बालकाय मोदकं रोचते।
v. बालकः मातरं रुप्यकाणि याचते।
vi. हिमालयात् गङ्गा प्रभवति।
vii. देवदत्तः गुरुकुले अध्ययनेन वसति।
viii. प्रासादात् बालः अपतत्।

3. वाच्य से क्या अभिप्राय है? वाच्य के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट करें। 8

What is the voice? Explain Type of voice with examples.

अथवा/Or

शतृ एवं **शानच्** प्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Explain with examples **शतृ** and **शानच्** suffixes.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए: 5

Change the voice of any **five** of the following sentences:

i. सः ग्रामं गच्छति।
ii. कन्यया संस्कृतं पठ्यते।
iii. देवाः आशीर्वादान् यच्छति।
iv. त्वं पुष्पाणि चिनोषि।
v. मोहनः स्वपिति।

vi. त्वया कथं भूयते।
vii. सः रामेण सह दिल्लीप्रदेशं गतवान्।
viii. शिशुना पयः पीयते।

भाग-'ख'

(Part -B)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **सात** वाक्यों का **संस्कृत** भाषा में अनुवाद कीजिए: 7

Translate in **Sanskrit** Language any **Seven** sentence of the following:

i.	तुम कहाँ जाते हो?	Where do you go?
ii.	मेरे पिता का नाम श्री रामचंद्र है।	My father's name is Shri Ram Chandra.
iii.	लोग देवालय में ईश्वर की पूजते हैं।	People worship God in the temple.
iv.	वह यहाँ से कहाँ गया?	Where did he go from here?
v.	यदि तुम पढ़ोगे, तो जीवन में सफल होगे।	If you read then you will succeed in life.
vi.	तुम सब कब खेलोगे?	When did you all play?
vii.	तुम जो बोओगे, वह काटोगे।	What you sow, so shall you reap.
viii.	भक्त शिव को नमस्कार करते है।	Devotees bow to Shiva.
ix.	गायत्री मंत्र से बुद्धि सबल होती है।	Gayatri Mantra enriches one's intellect.
x.	जल से शरीर के अंग शुद्ध होते हैं।	Water purifies the parts of the body.
xi.	विद्यालय विद्या के मंदिर होते है।	Schools are the temples of Education.

6. निम्न में से किसी **एक** का **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** में अनुवाद कीजिए: 8

Translate any **one** of the following paragraphs into **Hindi** or into **English**:

ईस्वीवर्षस्य सप्तमशताब्द्यां महाराष्ट्रप्रान्ते आसीद् राजा विष्णुवर्धनः। तस्य राजसभायां महाकविः भारविः राजकविः आसीत्। तस्य महाकाव्यं किरातार्जुनीयं पुराकालादेव अत्यन्तं प्रसिद्धं वर्तते। तद् अमरकाव्यम् अर्थगौरवात् संस्कृतसाहित्यस्य बृहत्त्रय्यां प्रथमं स्थानम् अलङ्करोति।

भारविः बाल्यकाले महता परिश्रमेण विद्याम् अर्जितवान्। स नियमेन चतुरो वेदान् षट् शास्त्राणि चापठत्। तस्य विलक्षणा प्रतिभा काव्यरचनायामपि प्रवृत्ता। सः सर्वदा विद्वत्सभासु सोत्साहम् उपातिष्ठत्। तत्र पण्डितैः सह अनेकवारं चातुर्येण शास्त्रार्थम् अकरोत्। सः कविसम्मेलनेषु निरन्तरं काव्यम् अश्रावयत्। श्रोतारः तस्य रम्यं काव्यं श्रुत्वा भृशं प्रशंसन्ति स्म। इत्थं काव्यकलायां तस्य कीर्तिलता अल्पेनैव कालेन चतुर्दिक्षु प्रासरत्।

अथवा/Or

ये जनाः दृढप्रतिज्ञाः भवन्ति तेषां कृते तेषां व्रतमेव सर्वप्रमुखं भवति। संसारे ईदृशाः जनाः **अभवन्** ये जीवनस्य अन्तिमे क्षणेऽपि सत्यस्य आश्रयं नात्यजन्। स्वात्मनः विपर्यये किञ्चिद् कर्म अपि नाकुर्वन्। अनेकासु विपत्तिषु अपि नृपः हरिश्चन्द्रः सत्यस्याश्रयं नात्यजत्। महाराणा प्रतापः आजीवनं वने

वनेऽभ्रमत्। स्वभार्यां बालं च बुभुक्षया म्रियमाणावपि पश्यन्नपि सः तेषां वार्तां न अमन्यत। ते सर्वे पराधीनं जीवनं जीवितुम् अकथयन्। आधुनिके काले महर्षिः दयानन्दोऽपि सत्यस्य पालने वेदप्रचारे च स्वजीवनस्य बलिदानम् अकरोत् परं सत्यस्य मार्गं नात्यजत्। एवमेव पुण्यभूमिभारते अनेके ईदृशाः महापुरुषाः अजायन्त ये स्वजन्मना इमां भूमिं पवित्राम् अकुर्वन्। अद्यापि तेषां चरणचिह्नानि मानवान् सत्याचरणं प्रति प्रेरयन्ति।

7. दो मित्रों के मध्य होने वाले आतङ्कवाद विषयक वार्तालाप को **संस्कृत** भाषा में लिखिए। 6
Write the conversation between two friends on the topic of terrorism in **Sanskrit** Language.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं **छः** को शुद्ध कीजिए:
Correct any six of the following:

i. विद्या सत्यात् शोभते ।
ii. नृपेण मृगेषु शराः अक्षिपत् ।
iii. दश नाटक अस्ति।
iv. उद्यानस्य निकषा वनम् अस्ति।
v. बालान्विकायां अधितिष्ठति।
vi. ग्रामे अश्व नेष्यति।
vii. पादेन खञ्जः ।
viii. अहम् फले खादितम् ।

8. उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं **छः** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: 6
Fill up the blanks of any six of the following with suitable suffixes:

i. त्वया भोजनं..................(खाद्+क्त) ।
ii. ....(हस्+शतृ) बालकं पश्य ।
iii. शिशुः मोदकं ....(दृश्+क्त्वा) प्रसीदति।
iv. मोहनः क्रीडनकानि..............(क्री+तुमुन्) गमिष्यति।
v. रमणिका भोजनं ....(पच्+शानच्) अस्ति ।
vi. सेवकः नृपं ....(प्र+नम्+ल्यप्) उपविशति।
vii. मया कुत्रापि न......................(गम्+अनीयर्)।
viii. सुनीता पत्रं ....(लिख्+तव्यत्)।

भाग-'ग'

(Part -C)

9. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए: 15
Write an essay on the following topics:
भारतीया संस्कृतिः, उपमा कालिदासस्य, संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, महाभारतम्

10. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लघु-निबन्ध लिखिए: 10
Write an essay on the following topics:
आतङ्कवादः, कोरोना, जलवायुपरिवर्तनम्, संगणकस्य उपयोगिता .

(1500)

[This question paper contains 3 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3266 **A**

Unique Paper Code : 12137905

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics

Name of the Course : **B.A. (Hon.) DSE, LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

1. भाषा विज्ञान के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। 8
Explain the nature of linguistics.
अथवा / Or
भाषा विज्ञान के प्रमुख अङ्गों का विवेचन कीजिए।
Discuss the main components of linguistics.

2. भाषा विज्ञान की दृष्टि से भाषा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 8
Explain the nature of language according to the linguistics.
अथवा / Or
भाषा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।
Discuss the characteristics of the language.

3. भारोपीय भाषापरिवार की शाखाओं का परिचय दीजिए। 12
Describe the branches of Indo- European family of language.
अथवा / Or
मूल भारोपीय भाषा से संस्कृत के विकास पर प्रकाश डालिए।
Highlight the development of Sanskrit from Proto Indo-European language.

4. संस्कृत की दृष्टि से ध्वनिविज्ञान का परिचय दीजिए। 12
Give an introduction of phonetics of Sanskrit.
अथवा / Or
संस्कृत की दृष्टि से वाक्यविज्ञान का विवेचन कीजिए।
Discuss syntax from Sanskrit point of view.

5. संस्कृत के भाषावैज्ञानिक अध्ययन की प्राचीनता का परिचय दीजिए। 12
Give an introduction the antiquity of linguistic study of Sanskrit.
अथवा / Or
आधुनिक भाषाविज्ञान में संस्कृत के महत्त्व पर एक लघु निबन्ध लिखिए।
Write a short essay on the importance of Sanskrit in the modern linguistics.

6. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (8+8+7=23)
Write short notes on the following:

(क) भाषा विज्ञान की उपयोगिता
Utility of linguistics
अथवा / Or
अल्पप्राण-महाप्राण
Lenis and Fortis

(ख) मूल भारोपीय भाषा
Proto-Indo-European language
अथवा / Or
ध्वनिपरिवर्तन के कारण
Causes of phonetic changes

(ग) संस्कृत वाक्यविन्यास का वैशिष्ट्य
Features of Sanskrit Syntax
अथवा / Or
तद्धित
Taddhit

05

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

A

Sr. No. of Question Paper : 3434

Unique Paper Code : 12137903

Name of the Paper : Theatre and Dramaturgy in Sanskrit

Name of the Course : **BA (H), DSE, LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are compulsory.
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. नाट्यमण्डप के 18 प्रकार कौन-कौन से हैं? श्रेष्ठ नाट्यमण्डप की विशेषताओं को भी लिखिये। 12
What are the 18 types of theatres? Write the characteristics of a best theatre.

2. आंगिक अथवा सात्विक अभिनय पर प्रकाश डालिए। 12
Throw light on Angika or Saattvika type of actings.

3. रस-निष्पत्ति अथवा स्वाद को विस्तार से लिखिए। 12
Write in detail on rasanishpatti or swad .

4. किन्हीं पांच पर टिप्पणी लिखिए। 5x5=25
Write note on any five:
रंगशीर्ष, अर्थप्रकृति, प्रेक्षागृह, धीरप्रशान्त, अनुभाव, दारढार रंगमंच

5. किन्हीं दो को परिभाषित कीजिए। 3.5x2=7
Define any two:
प्रासंगिक कथावस्तु, कंचुकी, अपवारित, नाट्यद्वार

6. किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लीखिए। 7
Write note in Sanskrit on any one:
परकीया नायिका, विदूषक, विस्तार, विष्कम्भक